अध्ययन सामग्री स्नातक भाग - 3 के लिए
विषय: संस्कृत
पत्र - VII (काव्यदीपिका)

Dr. Savitri Singh
Associate Professor
Sanskrit.
R.M.C. SASARAM
Date! 20.05.2020

काव्य का लक्षण (दण्डी)

काव्य का लक्षण करते हुए आचार्य दण्डी कहते हैं कि -

कथ्यते काव्यम् 'इष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली' ।।

इदं काव्यादर्शे दण्डिनः काव्यलक्षणम् ।

अन्वयक्रमेण लक्षणस्य व्याख्यानमाह - इष्टेति । तथा च इष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली काव्यम् इति अन्वयः । इष्टा - हृद्या, लोकोत्तर आह्लादजनका ये अर्थाः तैः व्यवच्छिन्ना - विशेषिता पदावली - पदसमूह काव्यं - कवेः कर्म काव्यनाम्ना कथ्यते - व्यपदिश्यते, आचार्यैरिति शेषः ।

इस प्रकार अलौकिक - लोकोत्तर चमत्कारपूर्ण सहृदय हृदयावगाही अर्थ से अलंकृत पदों के समूह को काव्य कहते हैं ।

'तुम्हारा शत्रु मर गया' 'तुम्हें पुत्र पैदा हुआ है ।' इत्यादि वाक्यों के सुनने पर भी एक प्रकार का सुख मिलता है, किन्तु उसमें कोई अलौकिक चमत्कार नहीं है । अतः उसे काव्य नहीं कहा जा सकता है । इससे यह सुनिश्चित होता है कि जो वाक्य अपने विलक्षण चमत्कार से हठात् सहृदयों की चित्तवृत्ति को आकृष्ट कर अनुरञ्जित करे, उन्हीं वाक्यों को काव्य कहा जाता है । जैसे :—

मानुषीभ्यः कथं नु स्यादस्य रूपस्य सम्भवः ।
न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात् ।।
(अभि. 1/22)

उद्गीर्णदर्भकवला मृगी परित्यक्तनर्तना मयूरी।
अपसृतपाण्डुपत्रा मुञ्चन्ति अश्रु इव लताः ॥ (अभि० ५/२२)

अयि कठोर! यशः किल ते प्रियं किमयशो ननु घोरमतः परम्।
किमभवद् विपिने हरिणीदृशः कथय नाथ! कथं वत मन्यसे ॥
(उत्तरच० ३/२७)

Scanned by CamScanner

स्नातक भाग - III
पत्र - VII

COPYRIGHT RESERVED VKA(H-3) — Sans (7)

2019

Time : 3 hours

Full Marks : 100

Pass Marks : 45

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।

The figures in the margin indicate full marks.

उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं ।

*Answer **all** questions*

सभी प्रश्नों के उत्तर दें ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दें : 15×3 = 45

(क) व्यंजनावृत्ति से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण सहित विवेचन कीजिए ।

(ख) काव्य प्रयोजनों का विश्लेषण करें ।

(ग) 'काव्यदीपिका' की तृतीय शिखा में प्रतिपादित काव्य भेदों पर प्रकाश डालें ।

Scanned by CamScanner

(घ) 'श्रव्यकाव्य' किसे कहते हैं ? उसकी विधाओं का विवेचन करें।

(ङ) रसदोषों का निरूपण करें।

(च) गुण स्वरूपों को उद्घाटित करते हुए इसके भेदों की व्याख्या करें।

2. अधोलिखित कारिकाओं में से किन्हीं **तीन** की व्याख्या करें : 10×3 = 30

(क) काव्यापकर्ष का दोषास्ते पुनः पञ्चधा मताः ।

(ख) पदसङ्घटना रीति रङ्ग संस्था विशेषवत् ।

(ग) केचिच्चमत्कारितया वत्सलश्च रसं विदुः ।

(घ) कथ्यते काव्यम् इष्टार्थ व्यवच्छिना पदावली ।

(ङ) अनेकार्थस्य शब्दस्य संयोगाद्यैर्नियन्तिते ।

(च) विवक्षितश्यान्यपरं वाच्य यत्रापरस्तु सः ।

3. निम्नलिखित अलंकारों में से किन्हीं **चार** के लक्षण सोदाहरण प्रस्तुत करें : 4×4 = 16

(क) उपमा

(ख) दृष्टान्तः

(ग) अर्थान्तर न्यासः

(घ) विभावना

(ङ) अनुप्रासः

(च) समासोक्ति

(छ) निदर्शना

(ज) दीपक

4. किन्हीं **तीन** छन्दों को उदाहरण सहित लिखें : 3×

(क) मन्दाक्रान्ता

(ख) उपेन्द्रवज्रा

(ग) मालिनी

(घ) शार्दूल विक्रीडित

(ङ) आर्या

(च) शिखरिणी

———— ❖ ————

Scanned by CamScanner